यूथ कॉम्पिटिशन टाइम्स

इलाहाबाद हाईकोर्ट

समूह 'ग' एवं 'घ'

Point by Point Theory + MCQ

सम्पूर्ण अध्यायवार

अध्ययन सामग्री एवं वस्तुनिष्ठ कोश

प्रधान सम्पादक

आनन्द कुमार महाजन

संपादन एवं संकलन

परीक्षा विशेषज्ञ समिति

कम्प्यूटर ग्राफिक्स

बालकृष्ण त्रिपाठी, चरन सिंह, भूपेन्द्र मिश्र

सम्पादकीय कार्यालय

12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002

9415650134

Email : yctap12@gmail.com

website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com/www.yctbooksprime.com

© All rights reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा

प्रधान सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने Printed by Digital से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए सम्पादक एवं प्रकाशक जिम्मेदार नहीं होगा।

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

मूल्य : 995/-

विषय-सूची

सामान्य-ज्ञान

इतिहास

प्राचीन इतिहास 5-9

■ इतिहास का विभाजन 5
■ प्रागैतिहासिक काल, ताम्र-पाषाण काल, सिन्धु घाटी सभ्यता 5
■ वैदिक सभ्यता, जैन एवं बौद्ध धर्म, बौद्ध संगीतियाँ, जैन संगीति (सभा), महाजनपदों का उदय 6
■ मौर्य साम्राज्य/मौर्योत्तर साम्राज्य 7
■ गुप्त साम्राज्य, गुप्तकालीन साहित्यकार व नाटककार 8
■ विगत परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न 8

मध्यकालीन इतिहास 10-14

■ अरबों का आक्रमण, दिल्ली सल्तनत, सल्तनतकालीन स्थापत्य 10
■ सल्तनत काल के अन्य अधिकारी तथा उनके कार्य, सल्तनतकालीन साहित्य 11
■ मुगल साम्राज्य, मुगलकालीन इमारतें, मुगलकालीन साहित्य, मुगलकालीन प्रशासन 11
■ सिक्ख धर्म, विगत परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न 12

आधुनिक इतिहास 15-24

■ भारत में यूरोपीय का आगमन, भूमि व्यवस्था और उसके प्रवर्तक, मैसूर युद्ध 15
■ मराठों तथा अंग्रेजों के मध्य हुई महत्वपूर्ण संधियाँ, 1857 का विद्रोह एक नजर में 15
■ सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन, प्रमुख सामाजिक-धार्मिक संस्थाएँ, किसान आंदोलन 16
■ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अधिवेशन एवं अध्यक्ष 17
■ महात्मा गाँधी के जीवन की प्रमुख घटनाएं 18
■ प्रमुख समाचार और उनके सम्पादक/संस्थापक, प्रमुख गवर्नर जनरल 19
■ स्वाधीनता आन्दोलन के दौरान लिखी पुस्तकें 20
■ शिक्षा से संबंधित प्रमुख आयोग तथा समितियाँ, विगत परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न 21

विश्व का इतिहास 25-25

■ विगत परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न 25

भूगोल

विश्व का भूगोल 26-35

■ सौरमण्डल, ग्रहों का क्रम, भूकम्प/प्रमुख ज्वालामुखी एवं उनकी स्थिति 26
■ पर्वत श्रृंखलाएँ/हिमनद/स्थानीय पवनें, हिमालय के प्रमुख हिमनद 27
■ वायुमण्डल, रेगिस्तान/महासागर 28
■ महासागरीय गर्त, चैनल/स्ट्रेट, जलसंधिया/जलडमरूमध्य, नदियाँ/झील/नहर, प्रमुख नदियाँ 29
■ वन/घास के मैदान, परिवहन, खनिज संसाधन, विगत परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न 30

भारत का भूगोल 36-44

■ भारत एक संक्षिप्त परिचय, भारत के सीमावर्ती देश, भारत की जनसंख्या, जनगणना, 2011 36
■ खनिज संसाधन/उद्योग 37
■ पर्वत श्रृंखलाएँ/दर्रे/घाटियाँ 38
■ नदी/झील/जल प्रपात/नदी घाटी परियोजनाएँ 39
■ जलवायु 40
■ विगत परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न 41

भारतीय राजव्यवस्था 45-53

■ भारत का संवैधानिक विकास 45
■ संविधान सभा की प्रमुख समितियाँ एवं अन्य प्रमुख आयोग 46
■ मौलिक अधिकार/मौलिक कर्तव्य, राज्य के नीति निदेशक तत्त्व, आपातकाल एवं राष्ट्रपति शासन 47
■ राष्ट्रीय प्रतीक : एक नजर, संविधान के प्रमुख अनुच्छेद 48
■ विगत परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न 49

भारतीय अर्थव्यवस्था 54-60

■ गरीबी अनुमान संबंधी समितियाँ 54
■ बैंकिंग सेक्टर में सुधार से संबंधित विभिन्न समितियाँ, भारत में स्थापित बैंक 55
■ राष्ट्रीय योजनायें एवं प्रमुख संगठन 56
■ विभिन्न कृषि क्रांतियाँ, विगत परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न 57

विज्ञान

भौतिक विज्ञान 61-70
- भौतिक राशियाँ, गुरुत्वाकर्षण, यांत्रिकी 61
- कंपन, तरंग एवं ध्वनि 62
- ऊष्मा एवं ऊष्मागतिकी 63
- प्रकाश 65
- वैद्युत, कूलॉम का नियम 67
- चुम्बक एवं चुम्बकत्व 69
- विगत परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न 70

रसायन विज्ञान 70-82
- पदार्थ की संरचना, तत्व 70
- आधुनिक परमाणु सिद्धान्त 71
- समस्थानिक, समभारिक, समन्यूट्रॉनिक और समइलेक्ट्रॉनिक में अन्तर, रेडियोसक्रियता 73
- भौतिक एवं रासायनिक परिवर्तन 74
- गैसीय नियम, ईंधन 75
- ईंधन का ऊष्मीय मान, अम्ल, क्षार व लवण, कुछ सामान्य पदार्थों का pH मान, लवण 76
- तत्वों के वर्गीकरण से सम्बन्धित सिद्धान्त, मोजले की आधुनिक आवर्त सारणी 77
- आवर्त सारणी में अधात्विक तत्व, धातुएँ, प्रमुख धातुएं एवं उनके अयस्क 78
- कार्बन, फुलेरीन्स, सीमेन्ट 79
- काँच, प्लॉस्टिक, प्रमुख बहुलक, कार्बनिक रसायन 80
- प्रमुख कार्बनिक यौगिकों के सामान्य सूत्र, किण्वन, कुछ कार्बनिक अम्ल एवं स्त्रोत, प्रमुख अम्ल एवं उनके उपयोग 81
- विगत परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न 82

जीव विज्ञान 83-104
- जीव विज्ञान की शाखाएँ, जीवों का वर्गीकरण 83
- आनुवंशिकी 84
- कोशिका संरचना 85
- प्रमुख पादप ऊतक 86
- पादप जगत 87
- जड़, पुष्प 89
- मानव शरीर, तंत्रिका तंत्र 92
- कंकाल तंत्र 94
- प्रजनन तंत्र 96
- विटामिन एवं पोषण 97
- पोषक पदार्थ 98
- मानव स्वास्थ्य तथा रोग, मनुष्य में प्रोटोजोआ द्वारा उत्पन्न प्रमुख रोग, विषाणुओं द्वारा होने वाले मानवीय रोग 99
- जीवाणु जनित बीमारियाँ, जीवाणुओं द्वारा उत्पन्न रोग एवं उनकी रोकथाम के उपाय 100
- यौन-संबंधों द्वारा उत्पन्न रोग, आनुवांशिक बीमारियाँ, विगत परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न 101

विज्ञान एवं तकनीकी 105-110
- अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम 105
- विगत परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न 108

कम्प्यूटर 111-126

परम्परागत सामान्य-ज्ञान 127-143

पर्यावरण/पारिस्थितिकी 144-156

उत्तर प्रदेश सामान्य-ज्ञान 157-168

हिन्दी

- वर्णमाला 169-170
- वर्तनी एवं वाक्य शुद्धि 171-177
- संज्ञा से अव्यय तक 178-193
- तद्भव/तत्सम/देशज/विदेशज 194-196
- उपसर्ग/प्रत्यय 197-199
- विलोम शब्द 200-206
- पर्यायवाची/समानार्थी/अनेकार्थी शब्द 207-210
- वाक्यांश के लिए एक शब्द 211-214
- संधि 215-219

■ समास 220-224
■ वाक्य-भेद 225-227
■ काल 228-229
■ रस/छन्द/अलंकार 230-237
■ मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ 238-245
■ अपठित गद्यांश 246-253
■ महत्वपूर्ण रचनाएँ 254-256
■ रिक्त स्थान की पूर्ति 257-257
■ विविध 258-259

ENGLISH

■ PARTS OF SPEECH 260-270
■ NUMBER & GENDER 271-272
■ TENSE 273-278
■ THE SENTENCE 279-285
■ ARTICLE 286-307
■ ACTIVE/PASSIVE VOICE 308-311
■ DIRECT AND INDIRECT SPEECH 312-318
■ SYNONYMS 319-322
■ ANTONYMS 323-326
■ MISSPELT WORD 327-329
■ ONE WORD SUBSTITUTION 330-335
■ IDIOM & PHRASES 336-340
■ READING COMPREHENSION 341-350
■ CLOZE TEST 351-353
■ PARAJUMBLE/P.Q.R.S. 354-355

तर्कशक्ति परीक्षण

■ सादृश्य परीक्षण 356-358
■ वर्गीकरण 359-361
■ कोडिंग-डिकोडिंग 362-366
■ संख्या श्रृंखला 367-369
■ लुप्त संख्या/अक्षर/पद/आकृति 370-376

गणित

■ संख्या पद्धति (NUMBER SYSTEM) 377-389
■ दशमलव एवं भिन्न (DECIMAL & FRACTION) 390-393
■ घातांक तथा करणी (INDICES AND SURDS) 394-397
■ लघुत्तम समापवर्त्य एवं महत्तम समापवर्तक (Lowest Common Multiple & Highest Common Factor) 398-404
■ सरलीकरण (SIMPLIFICATION) 405-408
■ औसत (AVERAGE) 409-413
■ अनुपात एवं समानुपात (RATIO & PROPORTION) 414-420
■ प्रतिशतता (PERCENTAGE) 421-429
■ लाभ एवं हानि/छूट या बट्टा (PROFIT & LOSS/DISCOUNT) 430-438
■ साधारण ब्याज (SIMPLE INTEREST) 439-442
■ चक्रवृद्धि ब्याज (COMPOUND INTEREST) 443-448
■ मिश्रण तथा पृथ्थीकरण (MIXTURE & ALLIGATION) 449-453
■ कार्य और समय (WORK & TIME) 454-458
■ पाइप और टंकी (PIPE & CISTERN) 459-461
■ समय, चाल और दूरी (TIME, SPEED & DISTANCE) 462-467
■ नाव एवं धारा (BOAT & STREAM) 468-469
■ आयु (AGE) 470-471
■ समंकों का विश्लेषण (DATA INTERPRETATION) 472-473
■ सांख्यिकी (STATISTICS) 474-475
■ प्रायिकता (PROBABILITY) 476-477
■ बीजगणित (ALGEBRA) 478-487
■ त्रिकोणमिति (TRIGONOMETRY) 488-493
■ ज्यामिति (GEOMETRY) 494-506
■ निर्देशांक ज्यामिति (CO-ORDINATE GEOMETRY) 507-508
■ क्षेत्रमिति 2D/3D (MENSURATION 2D/3D) 509-520

इतिहास

A. प्राचीन इतिहास (Ancient History)

इतिहास का विभाजन

प्राचीन भारतीय इतिहास की विशद सामग्री को समझने योग्य बनाने के लिए इतिहासकारों ने इसे तीन भागों में बांटा है -

1. प्रागैतिहासिक काल
2. आद्य-ऐतिहासिक काल
3. ऐतिहासिक काल

प्रागैतिहासिक काल–सुविधानुसार तीन भागों में बांटा गया है-

(i) पुरापाषाण काल
(ii) मध्यपाषाण काल
(iii) नवपाषाण काल

- मध्यपाषाण कालीन महदहा (प्रतापगढ़, उ.प्र.) से हड्डी एवं सींग से निर्मित उपकरण प्राप्त हुए हैं।
- पहिए का प्रयोग नवपाषाण काल में हुआ था।
- पशुपालन का प्रारंभ मध्यपाषाण काल में हुआ।
- मानव द्वारा आग का सर्वप्रथम प्रयोग नवपाषाण काल में किया गया था।
- कृषि का आविष्कार नवपाषाण काल में हुआ।
- भीमबेटका के गुफा चित्र पुरापाषाण कालीन हैं।
- नवपाषाण युगीन प्राचीनतम बस्ती पाकिस्तान में स्थित बलूचिस्तान प्रांत के मेहरगढ़ में है।

ताम्र-पाषाण काल

- सबसे बड़ी ताम्र निधि मध्य प्रदेश के गुंगेरिया से प्राप्त हुई है।
- सभी ताम्र-पाषाण समुदाय चाकों पर बने काले व लाल मृद्भाण्डों का प्रयोग करते थे।
- जिस काल में मनुष्य ने पत्थर एवं तांबे के औजारों का साथ-साथ प्रयोग किया, उस काल को 'ताम्र-पाषाणिक' काल अथवा 'कैल्कोलिथिक' काल कहा जाता है।

सिन्धु घाटी सभ्यता (Indus Valley Civilization)

- मोहनजोदड़ो, जिसका शाब्दिक अर्थ है 'मृतकों का टीला' सिंधु घाटी सभ्यता (IVC) के महत्वपूर्ण स्थलों में से एक है। इसकी खोज वर्ष 1922 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के राखल दास बनर्जी ने की थी।
- लोथल एवं सुरकोतदा– सिन्धु सभ्यता का बन्दरगाह नगर था।
- सिन्धु सभ्यता के लोग धरती को उर्वरता की देवी मानकर उसकी पूजा किया करते थे।
- वृक्ष–पूजा एवं शिव-पूजा के प्रचलन के साक्ष्य भी सिन्धु सभ्यता से मिलते हैं।
- सिन्धु सभ्यता में मातृदेवी की उपासना सर्वाधिक प्रचलित थी।
- पशुओं में कूबड़ वाला साँड, इस सभ्यता के लोगों के लिए विशेष पूजनीय था।
- हड़प्पा स्थल कालीबंगा से जुते हुए खेत के साक्ष्य मिले हैं। कालीबंगन राजस्थान में घघ्घर नदी के तट पर स्थित है। इस स्थल की खोज बी.बी. लाल एवं बी.के. थापर ने की थी।
- कालीबंगा एकमात्र हड़प्पाकालीन स्थल था, जिसका निचला शहर भी रक्षा प्राचीर दीवारों से घिरा हुआ था। कालीबंगा से अग्नि पूजा के भी प्रमाण मिले हैं।

स्थल	नदी/उत्खनन वर्ष	स्थल की स्थिति/ उत्खननकर्ता
हड़प्पा	रावी नदी के बायें तट पर (1921 ई.)	मांटगोमरी जिला पंजाब (पाकिस्तान)/दयाराम साहनी
मोहनजोदड़ो	सिन्धु नदी के दायें तट पर (1922 ई.)	सिन्ध का लरकाना जिला (पाकिस्तान)/आर. डी. बनर्जी
सुत्कागेंडोर	दाश्क नदी (1927 ई.)	पाकिस्तान/आर. एल. स्टाइन
चन्हूदड़ो	सिन्धु नदी (1931 ई.)	सिन्ध (पाकिस्तान)/एन. जी. मजूमदार
रंगपुर	मादर नदी (1954 ई.)	अहमदाबाद (भारत)/एस.आर.राव
कोटदीजी	सिन्धु नदी (1955 व 1957 ई.)	सिन्ध (पाकिस्तान)/फजल अहमद खाँ
रोपड़	सतलज नदी (1953 ई.)	पंजाब (भारत)/वाई. डी. शर्मा
कालीबंगा	घग्गर नदी (1961 ई.)	हनुमानगढ़ (राजस्थान)/ बी.बी.लाल एवं बी.के. थापर
लोथल	भोगवा नदी (1955-62 ई.)	अहमदाबाद (गुजरात)/एस.आर. राव
आलमगीरपुर (भारत)	हिण्डन नदी (1958 ई.)	मेरठ (उ. प्र.)/वाई.डी. शर्मा
सुरकोटदा	1972-75 ई.	गुजरात (कच्छ)/जगतपति जोशी
बनावली	प्राचीन सरस्वती नदी (रंगोई)(1973 ई.)	हरियाणा /आर.एस. बिष्ट
धौलावीरा	1990-91 ई.	कच्छ (गुजरात)/आर. एस. बिष्ट

वैदिक सभ्यता (Vedic Culture)

क्र.सं.	वेद	उपवेद	विशेष
1.	ऋग्वेद	आयुर्वेद	चिकित्सा से सम्बंधित।
2.	सामवेद	गन्धर्व वेद	संगीतकला से सम्बन्धित।
3.	यजुर्वेद	धनुर्वेद	युद्ध कला से सम्बंधित।
4.	अथर्ववेद	शिल्पवेद, ब्रह्मवेद	शिल्प से सम्बन्धित कला का ज्ञान।

- ऋग्वेद में सर्वप्रथम 'भरत जन' का उल्लेख मिलता है, जिसके नाम पर इंडिया का नाम 'भारत' रखा गया। ऋग्वेद प्राचीनतम वेद माना जाता है। इसमें कुल 10 मंडल तथा 1028 सूक्त है। इस वेद को पढ़ने वाले ऋषि को 'होतृ' कहते है। ऋग्वेद का पहला एवं 10वाँ मंडल सबसे अंत में जोड़ा गया।
- दसराज्ञ युद्ध (दस राजाओं का युद्ध) का वर्णन ऋग्वेद में 7वें मंडल में है। यह परुषणी नदी के तट पर लड़ा गया। इसमें भरत जन के राजा सुदास ने दस राजाओं के संघ को हराया।
- चार वेदों में से अथर्ववेद में बुरी आत्माओं और बीमारियों से बचने के लिए जादू मंत्र और तंत्र-मंत्र का संग्रह है। अथर्वा ऋषि द्वारा रचित इस वेद में कुल 731 मंत्र तथा लगभग 6000 पद्य हैं।
- अथर्ववेद में आयुर्वेद और चिकित्सा पद्धति का वर्णन है।

~~जैन एवं बौद्ध धर्म~~ (Jainism/Buddhismsm)

- कुषाण वंश के शासक कनिष्क के शासनकाल के दौरान चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन कश्मीर के कुण्डलवन में हुआ। इसके अध्यक्ष वसुमित्र एवं उपाध्यक्ष अश्वघोष थे। इसी संगीति में बौद्ध धर्म दो सम्प्रदायों हीनयान एवं महायान में विभाजित हुआ।
- तीन भागों में विभाजित त्रिपिटक (विनयपिटक, सुत्तपिटक, अभिधम्मपिटक) बौद्ध धर्म का प्रमुख ग्रन्थ है। त्रिपिटक में महात्मा बुद्ध के बुद्धत्व (ज्ञान) प्राप्त करने से लेकर महापरिनिर्वाण तक दिये हुए प्रवचनों का संकलन किया गया है।

बौद्ध संगीतियाँ

बौद्ध संगीतियाँ	स्थान	समय	अध्यक्ष	शासक
प्रथम	राजगृह	483 ई. पू.	महाकाश्यप	अजातशत्रु
द्वितीय	वैशाली	383 ई. पू.	सबाकामी	कालाशोक
तृतीय	पाटलिपुत्र	250 ई. पू.	मोग्गलिपुत्ततिस्स	अशोक
चतुर्थ	कुण्डलवन (कश्मीर)	ईसा की प्रथम शताब्दी	वसुमित्र	कनिष्क

- जैन धर्म के वास्तविक संस्थापक 24वें तथा अंतिम तीर्थंकर महावीर स्वामी थे। इनका जन्म वैशाली जिले के कुंडग्राम में हुआ था, महावीर की मृत्यु (मोक्ष की प्राप्ति) राजगृह के निकट पावापुरी में 72 वर्ष की अवस्था में हुई।
- पार्श्वनाथ जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर थे।

जैन संगीति (सभा)

संगीति	स्थान	समय	अध्यक्ष	कार्य
प्रथम	पाटलिपुत्र	322 ई.पू. 300 ई.पूर्व	स्थूलभद्र	जैन धर्म के प्रधान भाग 12 अंगों का सम्पादन हुआ जैन धर्म का श्वेताम्बर एवं दिगम्बर में विभाजन
द्वितीय	वल्लभी (गुजरात)	513 ई.	देवर्धि क्षमाश्रमण	धर्मग्रन्थों (कुल 11 अंगो) का अंतिम रूप से संकलन कर इन्हें लिपिबद्ध किया गया

महाजनपदों का उदय (Emergence of Mahajanapadas)

सोलह महा-जनपद (600-325 ई.पू.)

बौद्ध ग्रंथ 'अगुत्तरनिकाय' के अनुसार छठीं शताब्दी ई.पू. में निम्न 16 महा-जनपद (क्षेत्रीय राज्य) विद्यमान थे-

महा-जनपद		राजधानी
✪ **अवन्ति**	:	उत्तरी अवन्ति-**उज्जयिनी**, दक्षिणी अवन्ति-**महिष्मती**
✪ **मल्ल**	:	कुशीनारा या पावा
✪ **कुरु**	:	इन्द्रप्रस्थ
✪ **मगध**	:	राजगृह या गिरिव्रज
✪ **वज्जि-संघ**	:	वैशाली
✪ **काशी**	:	वाराणसी
✪ **चेदि**	:	सुक्तिमति
✪ **कम्बोज**	:	राजपुर या हाटक।
✪ **वत्स**	:	कौशाम्बी
✪ **अंग**	:	चम्पा
✪ **पांचाल**	:	उत्तरी पांचाल-अहिच्छत्र, दक्षिणी पांचाल-कांपिल्य।
✪ **मत्स्य**	:	विराटनगर।
✪ **कोशल**	:	उत्तरी कोसल- श्रावस्ती, दक्षिणी कोसल राजधानी-कुशावती।
✪ **अश्मक**	:	पाटन या पोटली
✪ **गांधार**	:	तक्षशिला।
✪ **शूरसेन**	:	मथुरा

- बिहार की राजधानी पटना का पुराना नाम पाटलिपुत्र है। सम्राट अजातशत्रु के उत्तराधिकारी उदयिन ने अपनी राजधानी को राजगृह से पाटलिपुत्र स्थानांतरित किया और बाद में चन्द्रगुप्त मौर्य ने यहाँ साम्राज्य स्थापित कर अपनी राजधानी बनाई। जिससे पाटलिपुत्र सत्ता का केन्द्र बन गया। फाहियान ने अपने यात्रा वृतान्त में उसका जीवन्त वर्णन किया और मेगस्थनीज ने पाटलिपुत्र नगर का प्रथम लिखित विवरण दिया।
- हर्यंक वंश का शासक अजातशत्रु, बिम्बिसार का पुत्र था। अजातशत्रु 492 ई.पू. में अपने पिता बिम्बिसार की हत्या करके गद्दी पर बैठा। अजातशत्रु का उपनाम कुणिक था तथा प्रारम्भ में वह जैन धर्म का अनुयायी था परन्तु बाद में इसने बौद्ध धर्म अपना लिया। इसने राजगृह में स्तूपों का निर्माण करवाया और 483 ई.पू. राजगृह की सप्तपर्णी गुफा में प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन किया।
- हर्यक वंश का संस्थापक बिम्बिसार मगध की राजगद्दी पर 544 ई.पू. (बौद्ध ग्रंथों के अनुसार) में बैठा। प्रसिद्ध चिकित्सक जीवक मगध के सम्राट बिम्बिसार का राजवैद्य था। महात्मा बुद्ध की सेवा में बिम्बिसार ने अपने राजवैद्य 'जीवक' को भेजा था। इसके अतिरिक्त जब अवन्ति प्रदेश के राजा प्रद्योत पाण्डु रोग से ग्रसित थे तब भी बिम्बिसार ने अपने राजवैद्य जीवक को उनकी सेवा के लिए भेजा था। जीवक 7 वर्ष तक तक्षशिला में चिकित्सा शास्त्र का अध्ययन किया था।
- नंद वंश का संस्थापक महापद्मनंद था। पुराणों में महापद्मनंद को सर्वक्षत्रांतक (क्षत्रियों का नाश करने वाला) तथा भार्गव (परशुराम का अवतार) कहा गया है उसने 'एकराट' और 'एकच्छत्र' की उपाधि धारण की। महापद्मनंद के आठ पुत्रों में घनानंद नंद वंश का अंतिम शासक था। इसी के समय सिकन्दर (325 ई.पू.) ने पश्चिमोत्तर भारत पर आक्रमण किया था। ग्रीक लेखकों ने घनानंद को 'अग्रमीज' कहा है। 322 ई.पू. में चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपने गुरु चाणक्य की सहायता से घनानंद की हत्या कर मौर्यवंश के शासन की नीव डाली।

मौर्य साम्राज्य/मौर्योत्तर साम्राज्य
(Mauryan Empire/Post Mauryan Empire)

अशोक के अभिलेखों में वर्णित विषय

शिलालेख	वर्णित विषय
पहला	अहिंसा पर बल, पशुबलि की निंदा एवं समारोह पर प्रतिबंध।
दूसरा	समाज कल्याण हेतु कार्य, मनुष्यों एवं पशुओं के लिए चिकित्सा की व्यवस्था एवं पड़ोसी राज्य चोल-पाण्ड्य-सतियपुत्र एवं केरलपुत्र का वर्णन
तीसरा	ब्राह्मणों तथा श्रमणों से उदारतापूर्ण व्यवहार। इसमें राजकीय अधिकारियों को यह आदेश दिया गया कि वे हर पांचवें वर्ष दौरा पर जाएं।
चौथा	भेरीघोष की जगह धम्मघोष की घोषणा की गई है। पशु हत्या को बहुत हद तक रोके जाने का दावा है।
पांचवां	शासन के 13वें वर्ष में धम्ममहामात्र नामक अधिकारी की नियुक्ति की चर्चा।
छठा	अपने प्रतिवेदकों को आदेश देता है कि मैं जहां भी रहूँ, मुझे प्रजा के विषय में सूचना दें।
सातवां	सभी संप्रदायों के लिए सहिष्णुता।
आठवां	अशोक के धर्म (तीर्थ) यात्राओं का उल्लेख।
नौवां	सच्ची भेंट एवं सच्चे शिष्टाचार का उल्लेख
दसवां	इसमें ख्याति एवं गौरव की निंदा की गई है तथा धम्मकीर्ति की श्रेष्ठता पर बल दिया गया है।
ग्यारहवां	धर्म के दान को सर्वोत्कृष्ट एवं धम्म की व्यख्या किया गया है।
बारहवां	सभी प्रकार के विचारों का सम्मान, विभिन्न सम्प्रदायों के बीच टकराव एवं महिला महामात्रों की नियुक्ति।
तेरहवां	कलिंग युद्ध का वर्णन एवं अशोक के हृदय परिवर्तन की बात तथा पड़ोसी राजाओं का वर्णन है।
चौदहवां	अशोक ने जनता को धार्मिक जीवन जीने के लिए प्रेरित किया।

- चंद्रगुप्त मौर्य ने 322 ई.पू. में मौर्यवंश की नींव रखी और विशाल मौर्य साम्राज्य की स्थापना की। चाणक्य ने 'अर्थशास्त्र' नामक ग्रंथ की रचना की थी।
- मौर्य सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य ने 305 ईसा पूर्व में सिकन्दर के सेनापति सेल्यूकस निकेटर को पराजित किया था।
- मेगस्थनीज सेल्यूकान निकेटर का राजदूत था, जो चन्द्रगुप्त के दरबार में रहता था। इसकी पुस्तक इंडिका है।
- सम्राट अशोक (273-236 ईसा पूर्व) मौर्य वंश का तीसरा शासक था। कलिंग की विजय (261 ई.पू.) के बाद अशोक ने बौद्ध धर्म ग्रहण किया।
- अशोक प्राचीन भारत में मौर्य राजवंश का तीसरा राजा था। अशोक को 'देवानाम प्रिय' एवं 'प्रियदर्शी' आदि नामों से भी जाना जाता है।
- मौर्य शासक अशोक ने राज्याभिषेक के आठवें वर्ष (261 ई.पू.) में अशोक ने कलिंग पर विजय प्राप्त की थी।
- शुंग वंश का संस्थापक पुष्यमित्र शुंग था। पुष्यमित्र शुंग मौर्यो का सेनापति था। उसने मौर्यों के अन्तिम शासक बृहद्रथ की हत्या करके शुंग वंश की स्थापना की। पुष्यमित्र शुंग द्वारा सत्ता प्राप्ति की तिथि 185 ई.पू. मानी जाती है। पुराणों के अनुसार उसका शासनकाल 36 वर्ष का था अर्थात् उसने 149 ई.पू. तक शासन किया। पुष्यमित्र शुंग उज्जैन का एक ब्राह्मण था इसके पुरोहित एवं प्रधानमंत्री महर्षि पतंजलि थे जिन्होंने दो बार अश्वमेघ यज्ञ का आयोजन करवाया था। इण्डो यूनानी शासक मिनांडर को इसने पराजित किया था और भरहुत स्तूप का निर्माण भी करवाया था। पुष्यमित्र शुंग के उत्तराधिकारी– अग्निमित्र → वसुज्येष्ठ →वसुमित्र → आन्ध्रक → पुलिन्दक → घोष → वज्रमित्र → भागभद्र (भागवत) → देवभूति
- देवभूति इस वंश का अंतिम शासक था इसकी हत्या वासुदेव ने 75 ईसा पूर्व में करके कण्व वंश की स्थापना की थी।

गुप्त साम्राज्य (Gupta Empire)

गुप्तकालीन पदाधिकारी

- **महाबलाधिकृत** – सेनापति
- **महादण्डनायक** – युद्ध एवं न्याय का मन्त्री। (न्यायाधीश)
- **सर्वाध्यक्ष** – राज्य के सभी केंद्रीय विभागों का प्रमुख अधिकारी।
- **महाभंडाराधिकृत** – राजकीय कोष का प्रमुख अधिकारी।
- **महाक्षपटलिक** – दस्तावेजों एवं राजाज्ञाओं को लिपिबद्ध करने वाला अधिकारी।
- **करणिक** – भूमि आलेख को सुरक्षित रखने वाला अधिकारी।
- **न्यायाधिकरण** – भूमि विवाद का निपटारा करने वाला।
- **अटाश्वपति** – अश्व सेना का प्रमुख।
- **युक्त पुरुष** – युद्ध में प्राप्त की गयी तथा हस्तगत सम्पत्ति का लेखा रखता था।
- **पुरपाल** – नगर का प्रधान अधिकारी।

गुप्तकालीन साहित्यकार व नाटककार

नाम	रचनाएँ
कालिदास	अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मालविकाग्निमित्रम्, विक्रमोर्वशीयम्, मेघदूतम्, कुमारसंभवम्,
विशाखदत्त	मुद्राराक्षस और देवीचन्द्रगुप्तम् (नाटक)
भारवि	किरातार्जुनीयम
शूद्रक	मृच्छकटिकम्
हरिषेण	इलाहाबाद प्रशस्ति का लेखक
विष्णु शर्मा	पंचतंत्र
आर्यभट्ट	आर्यभट्टीयम्, सूर्य सिद्धान्त
वराहमिहिर	पंचसिद्धान्तिका, वृहत्संहिता वृहत्जातक, लघुजातक

- प्राचीन भारत में गुप्त शासक 'कुमार गुप्त' (415-155 ई.पू.) ने नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना की थी।
- चन्द्रगुप्त प्रथम (319-335 ई.), जिसे गुप्त वंश का प्रथम वास्तविक संस्थापक माना जाता है। वह गुप्त शासक घटोत्कच का पुत्र था, जिसने एक गुप्त संवत 319 ई. चलाया। उसने **'महाराजाधिराज'** की उपाधि धारण की और लिच्छिवी राज्य की राजकुमारी **'कुमार देवी'** के साथ विवाह कर लिच्छिवियों की सहायता से शक्ति बढ़ाई।
- शक संवत 78 ई. में कुषाण शासक कनिष्क द्वारा प्रारम्भ किया गया था, जबकि 319 ई. में गुप्त शासक चन्द्रगुप्त प्रथम द्वारा गुप्त संवत का प्रारम्भ किया गया था।
- चन्द्रगुप्त प्रथम का उत्तराधिकारी समुद्रगुप्त था। समुद्रगुप्त गुप्त वंश का चौथा राजा था एवं उसके साम्राज्य की राजधानी पाटलिपुत्र थी। इतिहासकार विसेंट स्मिथ ने उसे भारत का नेपोलियन कहा।
- इलाहाबाद प्रशस्ति इसे 'प्रयाग प्रशस्ति' के नाम से भी जाना जाता है। समुद्रगुप्त का एक स्तंभ है जो इलाहाबाद में है तथा यह संस्कृत में लिखा गया है। इसकी रचना हरिषेण ने की थी।

भारत आने वाले चीनी यात्री

(क) फाह्यान– भारत में आने वाला यह प्रथम चीनी यात्री था, जो चन्द्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य के समय भारत की यात्रा की। इसने 15 वर्षों तक बौद्ध ग्रन्थों का अध्ययन किया।

(ख) शुंग युन– यह 518 ईस्वी में भारत आया। इसने बंगाल व बिहार की तत्कालीन राजनीतिक, आर्थिक व धार्मिक स्थितियों का वर्णन किया।

(ग) इत्सिंग– यह 671–693 ईस्वी तक भारत में रहा। यह चीनी बौद्ध यात्री था जो नालन्दा विश्वविद्यालय में अध्ययनरत रहा तथा त्रिपिटकों की 400 प्रतियाँ अपने साथ ले गया।

विगत परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न

जैन धर्म/बौद्ध धर्म (Jainism/Buddhism)

1. बुद्ध की शिक्षायें कथाओं से पूर्वरचित की गई हैं, जो मुख्यतः _____ में पाई जाती हैं:

(a) भगवद्गीता (b) कुरान
(c) बोधिसत्व (d) सुत्तपिटक

Allahabad High Court Group C Exam 18/12/2022

Ans. (d) : बुद्ध की शिक्षाएं कथाओं से पूर्वरचित की गई हैं, जो मुख्यतः सुत्तपिटक में पाई जाती हैं। सुत्तपिटक बौद्ध धर्म के पाली साहित्य का एक महत्वपूर्ण भाग है, जिसमें बुद्ध की शिक्षाएं और उपदेश संग्रहीत है। सुत्तपिटक में पांच निकाय है।
(1) दीघ निकाय (2) मज्झिम निकाय (3) संयुक्त निकाय
(4) अंगुत्तर निकाय (5) सुद्दक निकाय

2. बौद्ध परिषद ..... में आयोजित की गयी थी जहाँ बौद्ध धर्म दो संप्रदायों - हीनयान और महायान में विभाजित हो गया था।

(a) राजगीर (b) वैशाली
(c) पाटलिपुत्र (d) कश्मीर

Allahabad High Court Group 'D' Exam-23/07/2017

Ans. (d) बौद्ध परिषद की चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन प्रथम सदी ई. में कश्मीर के कुण्डलवन में, कनिष्क के शासन काल में, वसुमित्र की अध्यक्षता में हुई थी। इस बौद्ध संगीति में बौद्ध धर्म हीनयान और महायान में विभाजित हो गया। हीनयान– ये रूढ़िवादी प्रकृति के थे। इन्हें निम्नमार्गी भी कहा जाता था। इन्होंने बुद्ध के मूल उपदेशों को ग्रहण किया। इनका उद्देश्य अर्हत् पद प्राप्त करना है। इसका विस्तार श्रीलंका, वर्मा, जावा आदि देशों तक है।
महायान – ये सुधारवादी प्रकृति के लोग थे। इन्हें अष्टमार्गी भी कहा जाता है। इनका आदर्श बोधिसत्व है। इनका विस्तार तिब्बत, चीन, कोरिया, मंगोलिया आदि देशों तक है।

3. गौतम बुद्ध ने उत्तर प्रदेश के .....में अपना पहला उपदेश दिया था?

(a) सारनाथ (b) मिर्जापुर (c) अयोध्या (d) कुशीनगर

Allahabad High Court (Group D) Exam 27/09/2014

Ans. (a) गौतम बुद्ध (563 ईसा पूर्व – 483 ईसा पूर्व) की शिक्षाओं पर बौद्ध धर्म का प्रचलन हुआ। इनका जन्म लुंबिनी में शाक्य कुल के राजा शुद्धोधन के घर में हुआ। 29 वर्ष की अवस्था में बुद्ध ने घर त्याग दिया जिसे 'महाभिनिष्क्रमण' के रूप में जाना जाता है। आषाढ़ की पूर्णिमा को वे काशी के समीप मृगदाव (वर्तमान में सारनाथ) पहुंचे। यही पर उन्होंने सबसे पहला धर्मोपदेश दिया जिसे 'धर्मचक्रप्रवर्तन' कहा गया है।

मौर्य साम्राज्य (Mauryan Empire)

4. ..... मध्य प्रदेश में भगवान बुद्ध के सम्मान में सम्राट अशोक द्वारा बनवाया गया बौद्ध स्मारक है।

(a) धामक स्तूप (b) बविकोंडा स्तूप

(c) महाबोधि स्तूप (d) सांची स्तूप

Allahabad High Court Group C Exam 18/12/2022

Ans. (d) : सांची स्तूप का निर्माण सम्राट अशोक द्वारा तीसरी सदी ई.पू. में भगवान बुद्ध के सम्मान में करवाया गया था। सांची भारत के मध्य प्रदेश राज्य के रायसेन जिले में बेतवा नदी के तट पर स्थित छोटा सा गांव है। रायसेन जिले में एक अन्य विश्व पर्यटक स्थल भीमबेटका भी है। सांची स्तूप को वर्ष 1989 में यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया।

गुप्त साम्राज्य (Gupta Empire)

5. निम्नलिखित में से कौन प्रारंभिक भारतीय इतिहास के सर्वाधिक महत्वपूर्ण शासकों में से एक, चंद्रगुप्त II, की पुत्री थी?

(a) सत्यवती गुप्त (b) प्रभावती गुप्त

(c) अमरावती गुप्त (d) कुषाण गुप्त

Allahabad High Court Group C Exam 18/12/2022

Ans. (b) : प्रभावती गुप्त चंद्रगुप्त द्वितीय की पुत्री थी। उसकी मां नाग वंश की कुबेरनागा थीं। प्रभावती गुप्त का विवाह वाकाटक वंश के राजा रूद्रसेन द्वितीय से हुआ था। रूद्रसेन की मृत्यु के बाद प्रभावती ने अपने अल्प-वयस्क पुत्रों (दिवाकर सेन और दामोदर सेन) की संरक्षिका के रूप में शासन किया। रामगुप्त के बाद चंद्रगुप्त द्वितीय गद्दी पर बैठा। चंद्रगुप्त द्वितीय चांदी के सिक्के जारी करने वाला पहला गुप्त शासक था।

प्राचीन स्थापत्य कला (Ancient Architecture)

6. सूची-I साथ सूची-II का मिलान कीजिए-

सूची-I	सूची-II
वह स्थान जहां देवता की मूर्ति स्थापित की जाती है।	प्रदक्षिणा पथ
टावर	स्तूप
स्तूप के आस- पास	शिखर का वृत्ताकार पथ
ढीला/ढूह	गर्भगृह

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A-I, B-IV, C-III, D-II

(b) A-III, B-II, C-IV, D-I

(c) A-IV, B-III,C-II, D-I

(d) A-IV, B-III, C-I, D-II

Allahabad High Court Group D Exam 17/12/2022

Ans. (d) : सही सुमेलित है–

सूची- I	सूची- II
A. वह स्थान जहां देवता की मूर्ति स्थापित की जाती है।	(IV) गर्भगृह
B. टावर	(III) शिखर
C. स्तूप के आस- पास का वृत्ताकार पथ	(I) प्रदक्षिणा पथ
D. ढूह/टीला	(II) स्तूप

7. भारत में पाया गया इनमें से प्राचीनतम मंदिर कौन था?

(a) लिंगराज मंदिर (b) जगन्नाथ मंदिर

(c) राजराजेश्वर मंदिर (d) दशावतार मंदिर

Allahabad High Court Group C Exam 11/12/2022

Ans. (d) : उपर्युक्त दिये गये विकल्पों में दशावतार मंदिर प्राचीनतम मंदिर है। गुप्तकालीन देवगढ़ का दशावतार मंदिर नागर शैली में निर्मित है। यह मंदिर लगभग 6वीं शताब्दी के आस-पास निर्मित किया गया था।

जगन्नाथ मंदिर - 12वीं शताब्दी

लिंगराज - 11वीं शताब्दी

राजराजेश्वर मंदिर - 11 वीं शताब्दी

8. भारत में मथुरा कला शैली का आरंभ किसके द्वारा किया गया था?

(a) भारतीय-यूनानी (b) कुषाण

(c) सातवाहन (d) गुप्त

Allahabad High Court Group 'C' Exam 18/10/2014

Ans. (b) भारत में मथुरा कला शैली का आरम्भ कुषाणों द्वारा किया गया था।

मथुरा शैली उत्तर प्रदेश के मथुरा में दूसरी शताब्दी ई.पू. से 12वीं शताब्दी ई. तक विकसित हुई। यह स्वदेशी रूप से विकसित है। इस शैली में लाल बलुआ पत्थर का प्रयोग किया जाता है।

विविध (Miscellaneous)

9. निम्नलिखित में से चीनी बौद्ध तीर्थयात्रियों की पहचान करें।

(A) मेगास्थनीज (B) फाहियान

(C) हवेनसांग (D) आई-किंग

(E) इब्न बतूता

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए।

(a) केवल A, B, C (b) केवल C, D, E

(c) केवल B, D, E (d) केवल B, C, D

Allahabad High Court Group D Exam 17/12/2022

Ans. (d) : फाहयान, हवेनसांग और आई- किंग चीनी बौद्ध तीर्थयात्रियों का समूह है। मेगास्थनीज युनान का राजदूत था (सेल्यूकस) जो चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में आया था। इब्नबतुता एक मोरक्को यात्री था जो 14 वीं शताब्दी में भारत आया था।

B. मध्यकालीन इतिहास (Medieval History)

अरबों का आक्रमण (Arab's Invasion)

- अरबों के भारत पर हमले के प्रथम प्रमाण 636-37 ई. के आसपास मिलते है। 711-12 ई. में अरबो ने मुहम्मद बिन-कासिम के नेतृत्व में सिंध पर आक्रमण किया।
- महमूद गजनवी का सबसे चर्चित आक्रमण सोमनाथ मंदिर (सौराष्ट्र) पर 1025-26 ईस्वीं में हुआ। इस समय गुजरात का शासक भीम-I था।
- महमूद गजनवी (998-1030) मध्य अफगानिस्तान में केन्द्रित गजनवी वंश का महत्वपूर्ण शासक था, महमूद गजनवी का भारत पर प्रथम आक्रमण 1001 ई. में हिन्दूशाही शासक जयपाल पर हुआ। जिसमें महमूद गजनवी को विजय प्राप्त हुई। महमूद का अंतिम आक्रमण 1027 ई. में जाटों पर हुआ था।
- गुजरात के पश्चिमी तट पर सौराष्ट्र के वेरावल में स्थित सोमनाथ मन्दिर का निर्माण राजा चन्द्रदेव ने करवाया था। प्राचीन समय में इस मन्दिर पर कई बार आक्रमण (लूटा) किये गये, जिसमें 1025 में महमूद गजनी द्वारा किया गया आक्रमण विख्यात है। ऐसा माना जाता है कि इस मन्दिर को 17 बार लूटा गया और नष्ट किया गया।

दिल्ली सल्तनत (Delhi Sultanate)

- मध्यकालीन भारतीय इतिहास में दिल्ली सल्तनत के प्रथम राजवंश जिसकों गुलाम वंश या मामलुक वंश के नाम से जाना जाता है।
- 1206 से 1526 ई. तक भारत पर शासन करने वाले पाँच वंश के सुल्तानों के शासनकाल को दिल्ली सल्तनत कहा जाता है। दिल्ली सल्तनत के क्रमानुसार पाँच वंश-
  1. गुलाम वंश/ मामलुक वंश/ इल्बरी वंश (1206-1290)
  2. खिलजी वंश (1290-1320)
  3. तुगलक वंश (1320 - 1414)
  4. सैयद वंश (1414 - 1451)
  5. लोदी वंश (1451 - 1526)
- कुतुबुद्दीन ऐबक दिल्ली सल्तनत का संस्थापक और गुलाम वंश का पहला सुल्तान था। इसका कार्यकाल 1206-1210 ई. तक था। उसकी हत्या कर इल्तुतमिश (कुतुबुद्दीन का दामाद और गुलाम) शासक बना था। इल्तुतमिश ने दिल्ली को अपनी राजधानी बनाया।
- रजिया सुल्तान मुस्लिम एवं तुर्की इतिहास की पहली महिला शासक थी।
- रजिया को दिल्ली सल्तनत के सिंहासन से 1240 में हटाया गया था।
- कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी 'शेख मुइनुद्दीन चिश्ती' के शिष्य थे।
- सल्तनत काल के गुलामवंशी शासक उलूग खाँ ने 'बलबन' की उपाधि धारण की थी। उलूग खाँ को नासिरुद्दीन महमूद ने यह उपाधि प्रदान की थी। बलबन ने राजत्व के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया था। बलबन ने दरबार में सिजदा एवं पाबोस प्रथाओं को लागू किया तथा 'नवरोज' त्योहार मनाना प्रारम्भ किया। बलबन ने एक सैन्य विभाग 'दीवान-ए-अर्ज' की स्थापना की थी।
- बलबन ने प्रशासन के लिये 'रक्त एवं लौह नीति' अपनायी। गयासुद्दीन बलबन जाति से इल्बरी तुर्क था। बलबन ने एक नये राजवंश 'बलबनी वंश' की स्थापना की थी।
- खिलजी वंश का संस्थापक जलालुद्दीन फिरोज खिलजी था।
- अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल के दौरान वस्त्र बाजार को सराय-ए-अदल के रूप में जाना जाता था।
- मुहम्मद बिन तुगलक (1325 ई.–1351 ई.) अपने पिता गयासुद्दीन तुगलक की मृत्यु के बाद मुहम्मद बिन तुगलक के नाम से 1325 ई. में गद्दी पर बैठा। इसका मूल नाम 'उलूग खाँ' था। राजमुंदरी के एक अभिलेख में मुहम्मद बिन तुगलक (जूना खाँ/जौना खाँ) को 'दुनिया का खान' कहा गया है।
- वर्ष 1326-27 ई. में, मुहम्मद-बिन तुगलक ने अपनी राजधानी दिल्ली से महाराष्ट्र में देवगिरी स्थानांतरित कर दी, जिसका नाम बदलकर दौलताबाद कर दिया।
- 1333 ई. में मोरक्को (अफ्रीका) का प्रसिद्ध यात्री 'इब्न बतूता' भारत आया। मुहम्मद-बिन-तुगलक ने इसे 'दिल्ली का काजी' नियुक्त किया, जो 8 वर्षों तक इस पद पर कार्य किया
- लोदी वंश का संस्थापक बहलोल लोदी था। वह 19 अप्रैल, 1451 को 'बहलोल शाह गाजी' की उपाधि से दिल्ली के सिंहासन पर बैठा। दिल्ली पर प्रथम अफगान राज्य की स्थापना का श्रेय बहलोल लोदी को दिया जाता है। बहलोल लोदी ने बहलोल सिक्के का प्रचलन करवाया। बहलोल लोदी का पुत्र निजाम खाँ 17 जुलाई, 1489 ई में 'सुल्तान सिकन्दर शाह' की उपाधि से दिल्ली के सिंहासन पर बैठा।
- सिकंदर लोदी, लोदी वंश (1489-1517 ई.) का सर्वश्रेष्ठ शासक था। 1504 ई. में उसने आगरा शहर की स्थापना राजस्थान के शासकों पर अपने अधिकार को सुरक्षित रखने तथा व्यापारिक मार्गों पर नियंत्रण स्थापित करने के उद्देश्य से की थी। सिकन्दर लोदी ने आगरा को अपनी नयी राजधानी बनाया।
- इब्राहिम लोदी, लोदी वंश एवं दिल्ली सल्तनत का अंतिम सुल्तान था। वह 21 नवम्बर 1517 ई. को आगरा के सिंहासन पर 'इब्राहिम शाह' की उपाधि से बैठा। वह वर्ष 1526 में पानीपत के प्रथम युद्ध में बाबर से पराजित हुआ तथा वीरगति को प्राप्त किया।

सल्तनत कालीन स्थापत्य

- कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद के दक्षिण प्रवेश द्वार अलाई दरवाजा का निर्माण अलाउद्दीन खिलजी ने 1311 ई. में करवाया था
- कुतुबुद्दीन ऐबक ने कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी की स्मृति में दिल्ली के मेहरौली नगर में कुतुबमीनार का निर्माण कार्य प्रारम्भ करवाया था।

सल्तनत काल के अन्य अधिकारी तथा उनके कार्य	
पद	**कार्य**
✪ **वकील-ए-दर**	यह शाही महल एवं सुल्तान की व्यक्तिगत सेवाओं का प्रबन्ध करता था।
✪ **अमीर-ए-हाजिब (बारबक)**	यह दरबारी शिष्टाचार के नियमों को लागू करता था।
✪ **शहना-ए-मंडी**	यह बाजार मूल्य नियंत्रण, बाँट-माप की जाँच करता था।
✪ **मजमुआदार**	यह राजस्व का आय-व्यय ठीक करता था।
✪ **मतशर्रिफ**	यह शाही कारखानों की देखभाल करता था।
✪ **वरीद-ए-मुमालिक**	यह सूचनादाता एवं गुप्तचर विभाग का प्रमुख था।
✪ **खजीन**	यह खजांची था।
✪ **काजी-उल-कुजात**	यह न्याय विभाग का प्रमुख था।
✪ **कोतवाल**	यह शहरों में शान्ति व्यवस्था करता था।

सल्तनत कालीन साहित्य (Literature of Sultanate Period)

रचना	रचनाकार
मिफताह उल-फुतूह, तारीख ए दिल्ली, तुगलकनामा, खजाइन-उल- फुतूह, आशिका, नूह सिपिहर	अमीर खुसरो
तारीख-ए-फिरोजशाही	जियाउद्दीन बरनी
तबकात-ए-नासिरी	मिनहाज-उस-सिराज
फुतुहात-ए-फिरोजशाही	फिरोजशाह तुगलक
तारीख-ए-मुबारकशाही	याहिया बिन अहमद

मुगल साम्राज्य (Mughal Empire)

मुगलकालीन इमारतें		
इमारत	**स्थान**	**निर्माता**
✪ शेरशाह का मकबरा	सासाराम	शेरशाह सूरी
✪ पुराना किला	दिल्ली	शेरशाह सूरी
✪ बुलंद दरवाजा	फतेहपुर सीकरी	अकबर
✪ अकबर का मकबरा	सिकन्दरा	जहांगीर
✪ एतमाद्दौला का मकबरा (सफेद संगमरमर)	आगरा	नूरजहाँ
✪ लाल किला	दिल्ली	शाहजहाँ
✪ जामा मस्जिद	दिल्ली	शाहजहाँ
✪ ताजमहल	आगरा	शाहजहाँ

मुगलकालीन साहित्य	
लेखक/कवि	**रचनाएं**
अबुल फजल	अकबरनामा, आइन-ए-अकबरी
अब्दुल-हमीद लाहौरी	बादशाहनामा
गुलबदन बेगम	हुमायूँनामा
निजामुद्दीन	'तबकात-ए-अकबरी'
अब्दुल कादिर बदायूंनी	मुंतखब-उल-तवारिख
मुहम्मद हसन	मीरात-ए-अहमदी
बाबर	तुजुक-ए-बाबरी (फारसी अनुवाद अब्दुर रहीम खान-ए-खाना)
जहांगीर	तुजुक-ए-जहांगीरी

मुगलकालीन प्रशासन (Mughal Administration)

मीर-ए-अर्ज	बादशाह के पास भेजे जाने वाले पत्रों का प्रभारी।
मीर-ए-बहर	जल सेना का प्रधान
मीर-ए-तोजक	धर्मानुष्ठान अधिकारी
मीर-ए-बर्र	वन-विभाग का अध्यक्ष
नाजिर-ए-बयूतात	शाही कारखानों का अधीक्षक
वाकिया नवीस	समाचार लेखक
खुफिया नवीस	गुप्त पत्र लेखक
स्वानिध-निगार	राज्यों को समाचार (आदेश) प्रेषित करने वाला अधिकारी
हरकारा	संदेशवाहक एवं जासूस
वितिक्ची	दरबारी घटनाओं का लेखक
परवानची	सरकारी आदेश प्रेषक
मुशरिफ	राज्य के आय-व्यय का लेखा-जोखा रखने वाला अधिकारी

- पानीपत का प्रथम युद्ध (21 अप्रैल, 1526 ई.)– इसमें बाबर ने इब्राहिम लोदी को हराकर भारत में मुगल वंश की स्थापना की थी।
- 'बाबरनामा' या 'तुज्क-ए-बाबरी' मुगल साम्राज्य के पहले शासक ''बाबर'' की आत्मलिखित जीवनी है।
- घाघरा का युद्ध भारतीय इतिहास में लड़े गये प्रसिद्ध युद्धो में से एक था। यह युद्ध भारत में मुगल वंश के संस्थापक बाबर एवं अफगानों (महमूद लोदी) के मध्य 1529 ई. में लड़ा गया था।
- हुमायूँ मुगल शासक बाबर का पुत्र था। हुमायूँ 26 जून, 1539 को चौसा का युद्ध और 17 मई 1540 के बिलग्राम (कन्नौज) के युद्ध में शेरशाह सूरी से पराजित हुआ। इस प्रकार शेरशाह ने दिल्ली को अपने आधिपत्य में ले लिया।
- खानवा का युद्ध 17 मार्च, 1527 ई. को आगरा के पास खानवा नामक स्थान पर बाबर और राणा सांगा के मध्य लड़ा गया जिसमें बाबर विजयी हुआ।
- हुमायूंनामा, गुलबदन बेगम की एक महत्वपूर्ण कृति है।
- शेरशाह सूरी या शेर खाँ, भारत में 'सूर' राजवंश का संस्थापक था। इसका जन्म 1472 ई. में नारनौल परगने में हसन खाँ सूर की अफगान पत्नी के गर्भ से हुआ था। 1539 ई. चौसा के युद्ध में मुगल सम्राट हुमायूँ का शेरशाह से आमना-सामना हुआ, जिसमें शेरशाह सूरी विजयी हुआ।

- अकबर ने बैरम खाँ की सहायता से 1556 ई. में पानीपत के द्वितीय युद्ध में हिंदू राजा हेमू विक्रमादित्य को पराजित किया। अक्टूबर 1605 ई. को अकबर की मृत्यु हो गयी। उसे आगरा के निकट सिकंदरा में दफनाया गया।

सिक्ख धर्म (Sikhism)

- गुरुनानक देव सिक्खों के प्रथम गुरु थे। इनका जन्म 15 अप्रैल, 1469 को तलवंडी (वर्तमान में ननकाना साहिब, पाकिस्तान) नामक स्थान पर हुआ था।
- श्री हरिमंदिर साहिब जिसे दरबार साहिब या स्वर्ण मंदिर भी कहा जाता है।
- गुरु गोविन्द सिंह का जन्म दिसम्बर, 1666 ई. में पटना में हुआ। ये सिक्खों के दसवें एवं अन्तिम गुरू थे। इन्होंने 'पाहुल' प्रथा प्रारम्भ की एवं इस मत में दीक्षित व्यक्ति को 'खालसा' कहा गया। प्रत्येक सिक्ख को पंच ककार (केश, कंघा, कड़ा, कच्छा और कृपाण) धारण करने का आदेश दिया।

विगत परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न

दिल्ली सल्तनत (Delhi Sultanate)

1. दास वंश के किस सम्राट ने ''जिल्ल-ए-इलाही'' की उपाधि प्राप्त की थी?

(a) इल्तुतमिश (b) कुतुबुद्दीन ऐबक
(c) गयासुद्दीन बलबन (d) नसीरूद्दीन महमूद

Allahabad High Court Group 'D' Exam-23/07/2017

Ans. (c) दास वंश के सम्राट ग्यासुद्दीन बलबन ने 'जिल्ल–ए–इलाही'' (ईश्वर की छाया) की उपाधि धारण की थी। ''जिल्ल–ए–इलाही'' उर्दू का शब्द है। जिसका शाब्दिक अर्थ 'भगवान की दया और सुरक्षा' है। बलबन ने सुल्तान की प्रतिष्ठा को स्थापित करने के लिए रक्त और लौह की नीति का पालन किया। बलबन पहला सुल्तान था, जिसने राजस्व सिद्धान्त प्रतिपादित किया। बलबन ने ईश्वर, शासक तथा जनता के बीच त्रिपक्षीय सम्बन्धों को राजस्व का आधार बनाया। उसने फारसी परम्परा के अनुसार 'सिजदा' और 'पैबोस' को अपनाया। इसने इल्तुतमिश द्वारा स्थापित चालीसा भंग कर दिया।

2. निम्नलिखित में से कौन दिल्ली सल्तन का मुखिया बनने वाला एकमात्र परिवर्तित भारतीय मुसलमान था?

(a) कैकुबाद (b) नसीरुद्दीन खुसरो खान
(c) जलालुद्दीन खिलजी (d) मौहम्मद बिन तुगलक

Allahabad High Court Group 'C' Exam 18/10/2014

Ans. (b) : नसीरुद्दीन खुसरो खान (शाह) दिल्ली सल्तनत पर शासन करने वाला एकमात्र परिवर्तित (धर्मांतरित) भारतीय मुसलमान था। वह अलाउद्दीन खिलजी (अक्टूबर, 1296 से 1306 ई. तक) खिलजी वंश के अंतिम शासक मुबारक शाह खिलजी की हत्या कर दी थी, तथा कुछ समय के लिए अप्रत्यक्षरूप से दिल्ली का सुल्तान बन गया था। दीपालपुर के राज्यपाल गाजी मलिक 1320 में उसकी हत्या कर गयासुद्दीन तुगलक के नाम से तुगलक वंश की स्थापना की और सिंहासनारूढ़ हुआ।

3. किस सुल्तान ने षड्यंत्रों के होने से पहले ही उनकी रोकथाम करने के लिए दावतों और सभाओं को प्रतिबंधित कर दिया था और पूरे देश में अपने गुप्तचरों का जाल फैला दिया था?

(a) बलबन (b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) जहाँगीर (d) इल्तुतमिश

Allahabad High Court Group 'C' Exam 18/10/2014

Ans. (b) अलाउद्दीन खिलज़ी दिल्ली सल्तनत का प्रमुख शासक था। इसने घोड़े को दागने/हुलिया प्रथा को चलवाया था, जिसका उद्देश्य था युद्ध के समय इनकी अदला-बदली न हो पाये। अलाउद्दीन खिलजी ने दिल्ली में सिरी नगर बसाया तथा मंगोल आक्रमणों से सुरक्षा के लिए उसने सिरी को 1304 में अपनी राजधानी बनायी। अलाउद्दीन खिलजी ने राज्य में विद्रोह के दमन के लिए चार अध्यादेश जारी किये जो निम्न हैं–

1. अमीर वर्ग की भूमि जब्त कर उसे खालसा भूमि में परिवर्तित किया।
2. गुप्तचर प्रणाली का गठन किया तथा इसको मजबूती से लागू किया।
3. दिल्ली के अन्दर शराब (मद्य निषेध) बन्द करवा दिया।
4. अमीर वर्गों के परस्पर मेल-मिलाप व सामाजिक सम्मेलनों और परस्पर विवाह-सम्बन्धों पर प्रतिबन्ध लगा दिया।

इस नियम को कठोरता से लागू किया गया। इस प्रकार अमीरों के सामाजिक सम्मेलनों तथा सहृदय गोष्ठियों का अन्त हो गया।

4. 'स्वर्गद्वारी' शिविर, जिसमें मोहम्मद-बिन-तुगलक़ ने ढाई वर्ष बिताए थे, किस नदी के किनारे स्थित था?

(a) गंगा (b) यमुना (c) गोमती (d) सोन

Allahabad High Court Group 'C' Exam 18/10/2014

Ans. (a) 'स्वर्गद्वारी शिविर' जिसमें मोहम्मद-बिन-तुगलक ने ढाई वर्ष अकाल के समय बिताए थे, वह गंगा नदी के किनारे स्थित था।

5. किस सुल्तान ने अपने महल के ख़ूबसूरत भित्ति चित्रों को मिटाने का आदेश दिया था?

(a) मोहम्मद-बिन-तुगलक़ (b) फ़िरोज शाह तुगलक
(c) अलाउद्दीन ख़िलजी (d) मुबारक शाह ख़िलजी

Allahabad High Court Group 'C' Exam 18/10/2014

Ans. (b) सल्तनत कालीन शासकों में फिरोजशाह तुगलक दिल्ली का पहला सुल्तान था, जिसने इस्लामी कानून (शरीयत) व उलेमा वर्ग को राज्य प्रशासन में प्रधानता दी। शरीयत के विरूद्ध होने के कारण फिरोज तुगलक ने महल के सभी भित्ति चित्रों को नष्ट करवा दिया, रेशमी, जरी वस्त्रों के उपयोग पर रोक लगवा दी।

6. लोदी वंश की स्थापना किसके द्वारा की गई थी?

(a) इब्राहिम लोदी (b) सिकंदर लोदी
(c) बहलोल लोदी (d) ख़िज्र ख़ान

Allahabad High Court Group 'C' Exam 18/10/2014

Ans. (c) लोदी वंश की स्थापना बहलोल लोदी ने की थी। वह अफगानिस्तान के गिलजारी कबीले की महत्वपूर्ण शाखा शाहूखेल में पैदा हुआ था। 19 अप्रैल 1451 को बहलोल 'बहलोल शाह गाजी' की उपाधि धारण कर दिल्ली के सिंहासन पर वैठा था।

7. दिल्ली सल्तनत काल में भू-मापन के लिए प्रयुक्त पद क्या था?

(a) किस्मत-ए-गालिया (b) गालिया-बक्शी
(c) मसाहत (d) गाज़ी

Allahabad High Court Group 'C' Exam 18/10/2014

Ans. (c) दिल्ली सल्तनत काल में भू-मापन के लिए मसाहत पद प्रयुक्त होता था। मसाहत का अर्थ भूमि की पैमाइश होता है।

8. 'दास वंश' की स्थापना किसने की थी ?

(a) कुतुबुद्दीन ऐबक (b) रजिया सुल्तान
(c) गयासुद्दीन बलबन (d) नसीरुद्दीन महमूद

Allahabad High Court Group 'C' Exam 20/01/2019

Ans. (a) : दिल्ली सल्तनत में कुतुबुद्दीन ऐबक ने गुलाम वंश या दास वंश की स्थापना 1206 ई. में की थी। वह मुहम्मद गोरी का गुलाम था। 1206 ई. से 1290 ई. तक 'दिल्ली सल्तनत' पर शासन करने वाले तुर्क सरदारों को 'गुलाम वंश' (दास वंश) या मामलूक वंश का शासक माना जाता है। इस काल में कुतबी (कुतुबुद्दीन ऐबक), शम्शी (इल्तुतमिश) तथा बलबनी (बलबन) नामक राजवंशों ने शासन किया।

9. इनमें से किसके द्वारा दिल्ली सल्तनत में इक्ता (Iqta) प्रणाली को संस्थागत रूप में लागू किया गया था?

(a) इल्तुतमिश (b) गयासुद्दीन बलबन
(c) कुतब-उद-दिन-ऐबक (d) आराम शाह

Allahabad High Court Group 'C' Exam 18/10/2014

Ans. (a) : इल्तुतमिश ने इक्ता प्रणाली की शुरूआत 1226 ई. में की थी। इक्ता एक भूखंड होता था जिसके नियंत्रणकर्ता को मुक्ती या वली कहा जाता था। यह इस भू-क्षेत्र में कानून व्यवस्था के साथ भू-राजस्व की वसूली करवाता था तथा इस राजस्व का एक हिस्सा केन्द्र को फवाजिल के रूप में भेजता था। इक्तादार का पद वंशानुगत न होकर समय-समय पर स्थानांतरित होता रहता था जो इसे नौकरशाही रूप देता था।

10. 'अमीर-अल-खयाल' एक अरबी उपाधि है, जिसका अनुवाद सामान्यतः 'कमांडर ऑफ द फेथफुल' या 'लीडर ऑफ द फेथफुल' के रूप में किया जाता है। निम्नलिखित में से किसे यह उपाधि प्रदान की गयी थी?

(a) मुइज-उद-दीन बहराम
(b) जमाल-उद-दीन याकूत
(c) मलिक इख्तियार-उद-दीन अल्तुनिया
(d) नसीरुद्दीन मुहम्मद

Allahabad High Court Group 'C' Exam- 22/07/2017

Ans. (b) : जमाल-उद्-दीन याकूत एक अफ्रीकी सिद्दी गुलाम कुलीन था, जो रजिया सुल्ताना का विशेष कृपापात्र था। वह रजिया का करीबी सलाहकार और दोस्त था। रजिया सुल्तान ने उसे शाही अस्तबल के प्रशासक के महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त किया था। उसने याकूत को अमीर-अल-खयाल (घोड़ों का अमीर) और बाद में अमीर अल-उमरा (अमीर का अमीर) की उपाधि से सम्मानित किया।

मुगल साम्राज्य (Mughal Empire)

11. वह मध्य एशियाई शासक कौन था जिसने मुगल साम्राज्य की स्थापना की थी?

(a) अकबर (b) हुमायूँ
(c) बाबर (d) जहांगीर

Allahabad High Court Group 'C' Exam- 12/11/2017

Ans. (c) मुगल साम्राज्य के संस्थापक बाबर ने इसकी नींव 1526 ई. में रखी। मुगलों ने भारत पर 300 सालों तक राज्य किया। बाबर के पिता उमरशेख मिर्जा फरगना नाम के छोटे से राज्य के शासक थे। बाबर ने भारत पर पांच आक्रमण किये। उस्ताद अली और मुस्तफा खाँ बाबर के दो प्रसिद्ध निशानेबाज थे जिन्होंने पानीपत के प्रथम युद्ध में भाग लिया और इब्राहिम लोदी की 21 अप्रैल, 1526 में पराजित किया था।

12. मुगल सम्राट अकबर के हिन्दू सलाहकार, बीरबल का जन्म का नाम इनमें से क्या था?

(a) इंद्रेश दास (b) महेश दास
(c) सुदेश दास (d) मुकेश दास

Allahabad High Court Group 'C' Exam 20/01/2019

Ans. (b) मुगल सम्राट जलालुद्दीन मुहम्मद अकबर के नवरत्नों में शामिल बीरबल के बचपन का नाम महेशदास था। मध्य प्रदेश के सीधी जिले के सिंहवाल तहसील के घोघरा गांव में 1528 ईं. में जन्में महेशदास की बुद्धिमता व हाजिरजवाबी से प्रसन्न होकर अकबर ने उन्हें बीरबल नाम दिया था। बीरबल अकबर द्वारा चलाये गये इलाही धर्म को अपनाने वाला प्रथम व अन्तिम हिन्दू व्यक्ति था।

13. अकबर के शासनकाल में राजस्व व्यवस्था की देखभाल करते थे–

(a) बीरबल (b) बैरम खान
(c) मान सिंह (d) टोडरमल

Allahabad High Court Group 'D' Exam 27/09/2014

Ans. (d) अकबर के शासनकाल में राजस्व व्यवस्था की देखभाल टोडरमल करते थे। अकबर के शासनकाल में 'जब्त' प्रणाली प्रारम्भ किया गया जिसके तहत भूमि को वर्गीकृत किया गया और फसल उत्पादकता के आधार पर राजस्व दरों को मानकीकृत किया गया, जिससे निष्पक्ष कराधान सुनिश्चित हुआ और राज्य के राजस्व में वृद्धि हुई।

14. कौन-सा मुगल शासक अपनी प्रजा द्वारा दी गयी न्याय की पुकार का सुनाजाना सुविधाजनक बनाने के लिए 'न्याय का घंटा' लगाने के लिए जाना जाता है?

(a) अकबर (b) जहाँगीर
(c) औरंगजेब (d) हुमायूँ

Allahabad High Court Group 'C' Exam- 20/01/2019

Ans. (b) मुगल शासक जहाँगीर ने अपनी प्रजा द्वारा दी गई न्याय की पुकार को सुने जाने को सुविधाजनक बनाने के लिए 'न्याय का घंटा' जो आगरे के किले के शाहबुर्ज और यमुना तट पर स्थित पत्थर के खंभे में लगवाई गई थी, के लिए जाना जाता है।

15. किसके शासन को मुगल काल का स्वर्ण युग कहा जाता था?

(a) अकबर (b) जहाँगीर
(c) शाहजहाँ (d) हुमायूँ

Allahabad High Court Group 'C' Exam- 20/01/2019

Ans. (c) शाहजहाँ के शासन काल में मुगल स्थापत्य और वास्तुकला अपने चरमोत्कर्ष पर थी। इसके काल को मुगल स्थापत्य और वास्तु कला का 'स्वर्ण काल' भी कहा जाता है।

16. निम्नलिखित में से किस मुगल सम्राट ने अपने शासन काल में नवरोज का उत्सव समाप्त कर दिया था?

(a) बाबर (b) जहाँगीर
(c) औरंगजेब (d) हुमायूँ

Allahabad High Court Group 'D' Exam-23/07/2017

Ans. (c) औरंगजेब (1658–1707 ई.) ने कुरान को अपने शासन का आधार बनाया। इस्लामी कानून का कट्टरता से पालन करने के कारण सुन्नी प्रजा उसे 'जिंदा पीर' के नाम से पुकारती थी। औरंगजेब का मुख्य लक्ष्य भारत को दारूल हर्ब (काफिरों का देश) से दारूल

इस्लाम (इस्लाम का देश) में परिवर्तित करने का था। उसने सिक्कों पर कलमा खुदवाया, तुलादान एवं झरोखा दर्शन प्रथा, पारसी त्योहार नौरोज एवं हिन्दू त्योहारों, सार्वजनिक संगीत समारोह तथा भांग उत्पादन पर प्रतिबन्ध लगा दिया। जनता शरियत के अनुसार जी रही है कि नहीं इसको देखने के लिए औरंगजेब ने मुहतसिब (सार्वजनिक सदाचार निरीक्षक) नामक अधिकारी को नियुक्त किया।

17. कौन से मुगल सम्राट को ''जिन्दा पीर'' माना जाता था?

(a) अकबर (b) औरंगजेब
(c) शाहजहां (d) बाबर

Allahabad High Court Group 'C' Exam- 22/07/2017

Ans. (b) मुगल सम्राट औरंगजेब को 'जिन्दा पीर' कहा जाता था। औरंगजेब का पूरा नाम मुहीउद्दीन मोहम्मद औरंगजेब था।

- बाबर को मुगल साम्राज्य का संस्थापक माना जाता है।
- शाहजहाँ को भारत में स्थापत्य का मोती कहा जाता है।
- अकबर को एक उदारवादी मुगल सम्राट कहा जाता है। इसने दीन-ए-इलाही धर्म चलाया था।

18. निम्नलिखित में से कौन से मुगल सम्राट ने अंग्रेजों के एक अप्रत्यक्ष कैदी के रूप में छह वर्षो तक इलाहाबाद के किले में निवास किया था ?

(a) औरंगजेब (b) शाह आलम I
(c) शाह आलम II (d) शाहजहाँ

Allahabad HC Stenographer (PA) Exam 15/07/2017

Ans. (c) बक्सर की लड़ाई (1764) में अंग्रेजों से परास्त होने के बाद शाहआलम द्वितीय ने अंग्रेजों से इलाहाबाद की संधि कर ली इस संधि के द्वारा इलाहाबाद के जिले अवध मे मिल गये और शाहआलम II ने बंगाल, बिहार और उड़ीसा का राजस्व वसूलने का अधिकार कंपनी को 26 लाख रुपये सालाना खिराज पर दे दिया। परन्तु यह संधि 6 वर्ष पश्चात् 1771 में टूट गयी।

19. मुगल शैली की लघु चित्रकारी स्वदेशी थीमों और शैलियों का ..... थीमों और शैलियों के साथ मिश्रण है।

(a) पर्सियन और उत्तर यूरोपीय (b) पर्सियन
(c) अरबी और अफ्रीकी (d) पर्सियन और अफ्रीकी

Allahabad High Court Group C Exam 11/12/2022

Ans. (a) : मुगल शैली की लघु चित्रकारी स्वदेशी थीमों और शैलियों का पर्सियन और उत्तर यूरोपीय थीमों और शैलियों के साथ मिश्रण है। मुगल चित्रकला मध्य काल में और उत्तर यूरोपीय भारतीय उपमहाद्वीप में विकसित हुई। मुगल लघु चित्रकला में देशीय विषयवस्तु और चित्रकला शैली, फारसी शैली व उसके बाद यूरोपीय शैली का सम्मिश्रण रहा है। मुगल चित्रकला शैली अपने चरम पर इस्लामिक, भारतीय व यूरोपियन दृश्य संस्कृति और सौन्दर्य के अति परिष्कृत रूप से मिश्रित रूप को प्रस्तुत करती है।

सिक्ख धर्म (Sikhism)

20. इनमें से कौन-से शहर में स्वर्ण मंदिर स्थित है?

(a) अंबाला (b) चंडीगढ़
(c) लुधियाना (d) अमृतसर

Allahabad High Court Group 'D' Exam- 12/11/2017

Ans. (d) अमृतसर पंजाब का सबसे महत्वपूर्ण और पवित्र शहर माना जाता है। पवित्र इसलिए माना जाता है क्योंकि सिक्खों का सबसे बड़ा गुरूद्वारा स्वर्ण मन्दिर अमृतसर में है। ताजमहल के बाद सबसे ज्यादा पर्यटक अमृतसर के स्वर्ण मंदिर को देखने आते है। इतिहास के मुताबिक सिखों के पांचवे गुरू अर्जुन देव जी ने लाहौर के एक सूफी सन्त साई मियां मीर जी से दिसम्बर, 1588 में गुरूद्वारे की नींव रखवाई थी।

सूफी आंदोलन/भक्ति आंदोलन/विदेशी यात्री

21. कौन से प्रसिद्ध सूफी संत को चिराग-ए-दिल्ली के रूप में जाना जाता है?

(a) बख्तियार काकी (b) निजामुद्दीन औलिया
(c) शेख नसीरूद्दीन महमूद (d) अमीर खुसरो

Allahabad High Court Group 'C' Exam- 22/07/2017

Ans. (c) प्रसिद्ध सूफी संत शेख नसीरूद्दीन महमूद को चिराग-ए-दिल्ली के रूप में जाना जाता है। ये निजामुद्दीन औलिया के शिष्य थे। नसीरूद्दीन महमूद 'चिश्ती' संप्रदाय के संत थे। इनका जन्म 1274 में अयोध्या, उत्तर प्रदेश में हुआ था। 1356 ई. में इनकी मृत्यु हो गयी।

22. महाराष्ट्र में भक्ति आंदोलन का प्रणेता किसे माना जाता है?

(a) रामदास (b) ज्ञानेश्वर
(c) एकनाथ (d) तुकाराम

Allahabad High Court Group D Exam 17/12/2022

Ans. (b) : संत ज्ञानेश्वर को महाराष्ट्र में भक्ति आंदोलन का प्रणेता माना जाता है। वरकरी सम्प्रदाय एक पूर्ण भक्ति सम्प्रदाय है जो शंकराचार्य के अद्वैतवाद में विश्वास करता है। ज्ञानेश्वर या ध्यानेश्वर को वरकरी सम्प्रदाय का संस्थापक माना जाता है। वरकरी परंपरा का विकास दक्षिणी महाराष्ट्र में पंढ़रपुर के आसपास अधिक हुआ है। बारकरी से जुड़े भक्ति आंदोलन के प्रमुख संतों में ज्ञानेश्वर नामदेव, तुकाराम, चोखामोला, गाडगें महाराज शामिल है। वरकरी सम्प्रदाय वैष्णव संप्रदाय की एक शाखा है।

23. सूची I के साथ सूची II का मिलान कीजिए।

	सूची-I		सूची-II
A	मार्को पोलो	I	मोरक्को
B	इब्न-बतूता	II	फ्रांस
C	अल-बिरूनी	III	इटली
D	फ्रैंकोइस बर्नियर	IV	उज्बेकिस्तान

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए :

(a) A- I, B- III, C- II, D- IV
(b) A- III, B- I, C- IV, D- II
(c) A- I, B- III, C- IV, D- II
(d) A- II, B- IV, C- I, D- III

Allahabad High Court Group C Exam 18/12/2022

Ans. (b) :

सूची- I	सूची- II
मार्को पोलो	इटली
इब्न-बतूता	मोरक्को
अल-बिरूनी	उज्बेकिस्तान
फ्रैंकोइस बर्नियर	फ्रांस

C. आधुनिक इतिहास (Modern History)

- यूरोपीय शक्तियों में पुर्तगाली कंपनी ने भारत में सबसे पहले प्रवेश किया।
- भारत के लिए नए समुद्री मार्ग की खोज पुर्तगाली व्यापारी वास्कोडिगामा ने 17 मई, 1498 में की थी।
- ईस्ट इंडिया कम्पनी की स्थापना 31 दिसम्बर, 1600 ई. में हुई थी।
- वारेन हेस्टिंग्स ईस्ट इंडिया कम्पनी का पहला गवर्नर जनरल नियुक्त हुआ।
- डच, नीदरलैण्ड (हालैण्ड) के निवासी थे। उन्होनें मुगल साम्राज्य के दौरान 1605 ई. में मछलीपट्टनम में अपनी प्रथम फैक्ट्री स्थापित की।

भारत में यूरोपीय का आगमन			
पुर्तगाली (1498 ई.) 'एस्तादो द इंडिया' (पुर्तगीज कंपनी)	**डच ईस्ट इंडिया कंपनी (1602 ई.)**	**अंग्रेज (1600 ई.) अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनी**	**फ्रांसिसी (1664 ई.) कंपनी देस इंदसे ओरियंटलेस**
1503 ई. - पहली फैक्टरी (कोचीन)	**1605 ई.**- प्रथम डच फैक्टरी (मसूलीपट्टनम)	**1611 ई.** - अस्थायी कारखाना (मसूली पट्टनम)	**1668 ई.** - पहली कोठी (सूरत)
1505 ई. - दूसरी फैक्टरी (कन्नूर)	दूसरी डच फैक्टरी (पेत्तोपोली)	**1613 ई.** - प्रथम स्थायी कारखाना (सूरत)	**1669 ई.** - दूसरी कोठी (मसूलीपट्टनम)
1961 ई. - भारत में शासन समाप्त	**1759 ई.** - भारत में डचों का शासन समाप्त	**1947 ई.** - अंग्रेजो का शासन समाप्त	**1763 ई.** - शासन समाप्त

भूमि व्यवस्था और उसके प्रवर्तक	
भूमि व्यवस्था	**प्रवर्तक**
इजारेदारी व्यवस्था	वारेन हेस्टिंग्स
स्थायी बन्दोबस्त	लॉर्ड कार्नवालिस
रैय्यतवाड़ी बन्दोबस्त	टामस मुनरो
महालवाड़ी बन्दोबस्त	लॉर्ड मैकेन्जी
बम्बई रैय्यतवाड़ी	एलफिंस्टन
बनारस का स्थायी बन्दोबस्त	जोनाथन डंकन

- टीपू सुल्तान मैसूर का शासक था। इसकी राजधानी श्रीरंगपट्टनम थी।
- द्वितीय आंग्ल-मैसूर (1780-1784 ई.) युद्ध में हैदर अली ने अंग्रेजों को पराजित कर अर्काट पर अधिकार कर लिया। मंगलौर की सन्धि ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी और टीपू सुल्तान के बीच मार्च, 1784 ई. में हुई थी।
- प्रथम आंग्ल सिक्ख युद्ध (1845-46) में ब्रिटिश साम्राज्य व सिक्ख साम्राज्य के मध्य लड़ा गया था। इस समय सिक्ख साम्राज्य के शासक राजा दिलीप सिंह (5 वर्ष की आयु) एक अल्प वयस्क शासक थे।

मैसूर युद्ध	
प्रथम आंग्ल-मैसूर युद्ध	1767-69 ई.
द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध	1780-84 ई.
तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध	1790-92 ई.
चतुर्थ आंग्ल-मैसूर युद्ध	1799 ई.

मराठों तथा अंग्रेज के मध्य हुई महत्वपूर्ण संधियाँ		
संधियाँ	**वर्ष**	**संधिकर्ता**
सूरत की संधि	1775	रघुनाथ राव तथा अंग्रेजों के बीच
सालबाई की संधि	1782	सिंधिया की मध्यस्थता से पूना दरबार तथा अंग्रेजों के बीच
नागपुर की संधि	1816	भोंसले तथा अंग्रेजों के बीच
ग्वालियर की संधि	1817	सिंधिया तथा अंग्रेजों के बीच
पूना की संधि	1817	बाजीराव द्वितीय तथा अंग्रेजों के बीच

- भारत में सिपाही विद्रोह की शुरूआत 10 मई 1857 ई. को मेरठ शहर से हुई थी। भारत में प्रत्येक 10 मई को 'क्रान्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- 1857 का विद्रोह ब्रिटिश ईस्ट इण्डिया कंपनी के खिलाफ संगठित प्रतिरोध की पहली अभिव्यक्ति थी।

1857 का विद्रोह एक नजर में		
प्रमुख केन्द्र	**नेतृत्वकर्ता**	**ब्रिटिश दमनकर्ता**
दिल्ली	बहादुर शाह जफर, बख्त खां	जान निकोलसन, हडसन
लखनऊ	बेगम हजरत महल	कॉलिन कैंपबेल
कानपुर	नाना साहब, तांत्या टोपे	कैंपबेल

झांसी, ग्वालियर	रानी लक्ष्मीबाई, तांत्या टोपे	जनरल ह्यूरोज
फैजाबाद	मौलवी अहमदुल्ला	कैंपबेल
बरेली	खान बहादुर खां	कैंपबेल
इलाहाबाद	लियाकत अली	कर्नल नील
जगदीशपुर (बिहार)	कुंवर सिंह, अमर सिंह	मेजर विलियम टेलर, विसेंट आयर
कोटा (राजस्थान)	जयदयाल, हरदयाल	
असम	मनीराम दत्त	

सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन
(Social and Religious Reform Movement)

- ब्रह्म समाज की स्थापना राजा राममोहन राय ने कलकत्ता में 20 अगस्त 1828 को की थी।
- राजा राम मोहन राय आधुनिक भारत के पुनर्जागरण के पिता और एक अथक समाज सुधारक थे।
- आर्य समाज की स्थापना दयानन्द सरस्वती ने 1875 ई. में मुम्बई में की थी। इन्होंने 'वेदों की ओर लौटो' का नारा दिया।
- रामकृष्ण मिशन की स्थापना स्वामी विवेकानन्द ने 1 मई 1897 ई. में की थी। इन्होंने 1893 में अमेरिका के शिकागो में विश्व धर्म सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व किया था।
- प्रार्थना समाज की स्थापना मार्च 1867 को बंबई में महादेव गोविंद रानाडे, आत्माराम पांडुरंग और आर.जी भंडारकर द्वारा की गयी थी।
- ज्योतिबा फुले ने 1873 ई. में पुणे (महाराष्ट्र) में सत्यशोधक समाज की स्थापना की।
- तत्कालीन ब्रिटिश भारत के गवर्नर जनरल 'लॉर्ड विलियम बेंटिक' द्वारा 4 दिसंबर 1829 को बंगाल सती रेगुलेशन पास किया गया था, इस कानून के माध्यम से पूरे ब्रिटिश भारत में सती प्रथा पर रोक लगा दी गयी।

प्रमुख सामाजिक-धार्मिक संस्थाएँ

संस्था	स्थापना वर्ष	संस्थापक
ब्रह्म समाज	1828	राजा राममोहन राय
तत्वबोधिनी सभा	1839	देवेन्द्र नाथ टैगोर
आर्य समाज	1875	दयानन्द सरस्वती
देव समाज	1887	शिवनारायण अग्निहोत्री
थियोसोफिकल सोसाइटी	1875	ब्लावत्स्की व कर्नल अल्काट
रामकृष्ण मिशन	1897	स्वामी विवेकानन्द
सर्वेण्ट ऑफ इंडिया सोसायटी	1905	गोपाल कृष्ण गोखले
सती प्रथा का अंत	1829 ई.	लॉर्ड विलियम बेंटिक
दास प्रथा का अंत	1843 ई.	लॉर्ड एलनबरो
विधवा पुनर्विवाह	1856 ई.	लॉर्ड कैनिंग, ईश्वर चन्द विद्यासागर

- 1921-22 में केरल के मालाबार समुद्र तट के किसानों ने एक महान विद्रोह किया, जिसे मोपला के रूप में जाना जाता है। इस विद्रोह के मुख्य नेता के रूप में अली मुसलियार चर्चित थे। महात्मा गांधी, शौकत अली, मौलाना आजाद जैसे नेताओं का सहयोग इस आन्दोलन को प्राप्त था।
- 1894 में अंग्रेजो की कर नीतियों के खिलाफ पाथरूघाट किसान विद्रोह हुआ था। पाथरूघाट असम में एक जगह है और वर्तमान में पथरीघाट के रूप में जाना जाता है।
- 1855–56 ई. में हुआ संथाल विद्रोह आदिवासी विद्रोहों में सर्वाधिक जबरदस्त था, यह विद्रोह मुख्यतः भागलपुर से राजमहल के बीच केन्द्रित था। संथालों ने भूमिकर अधिकारियों के हाथों दुर्व्यवहार, पुलिस के दमन, जमीदारों-साहूकारों की वसूलियों के विरूद्ध अपना रोष प्रकट करते हुए विद्रोह किया।
- गुजरात प्रान्त का बारदोली सत्याग्रह 1928 में भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का सबसे संगठित, व्यापक एवं सफल आन्दोलन रहा है। यह आन्दोलन सरकार द्वारा बढ़ाये गये 22% कर के विरोध में चलाया गया था। इसका नेतृत्व सरदार वल्लभ भाई पटेल ने किया।

किसान आन्दोलन

आन्दोलन का नाम	प्रभावित क्षेत्र	नेतृत्व	कारण
नील (1859–60 ई.)	बंगाल	दिगम्बर विश्वास, विष्णु विश्वास	अंग्रेजों द्वारा किसानों से जबरन नील की खेती करवाना
पावना (1873-76 ई.)	बंगाल	ईशानचन्द राय, शम्भूपाल	अधिक लगान, 1859 ई. के अधिनियम 10 के तहत मिली काश्तकारों की जमीन पर कब्जे के विरुद्ध षड्यंत्र और बेदखली
चम्पारण (1917 ई.)	चम्पारण, रामनगर मोतिहारी, बेतिया, मधुबनी	महात्मा गांधी	तिनकठिया प्रणाली, शरहबेशी (लगान वृद्धि) तावान (एकमुश्त मुआवजा) के विरोध में